लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

DEMOCRACY IS A WAY OF LIFE IN INDIA: LOK SABHA SPEAKER/भारत में लोकतंत्र जीवन शैली है: लोक सभा अध्यक्ष

…

EFFECTIVE LEGISLATIONS ARE OUTCOMES OF QUALITY DISCUSSION AND DIALOGUE: LOK SABHA SPEAKER/गुणवत्तापूर्ण चर्चा और संवाद से ही प्रभावी कानून बनते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

YOUTH HAVE A RESPONSIBILITY TOWARDS STRENGTHENING DEMOCRATIC INSTITUTIONS: LOK SABHA SPEAKER/लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी युवाओं की है: लोक सभा अध्यक्ष

…

YOUTH SHOULD ENSURE THAT THEIR EVERY STEP IS IN THE DIRECTION OF ACHIEVING NATIONAL GOALS: LOK SABHA SPEAKER/युवाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका हर कदम राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हो: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES AT NATIONAL YOUTH CONVENTION, 2022 IN JODHPUR/लोक सभा अध्यक्ष ने आज जोधपुर में राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, 2022 को संबोधित किया

…

New Delhi; 16 September 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed at the National Youth Convention, 2022 in Jodhpur, today.

Speaking on this occasion, Shri Birla said that whereas new innovations in the world are taking us on the path of prosperity, our inner conscience should guide us on the path of non-possession. There should be a feeling in all that nothing belongs to us, everything belongs to the society.

Mentioning about the dynamic functioning of the Parliament, Shri Birla said that laws are meant for welfare of people and effective legislations are outcomes of quality discussion and dialogue among people's representatives. He urged the youth to use their intellect and wisdom to strengthen democratic institutions. He underlined that youth should participate in decisions and policies of the government. Emphasising on participation of people, particularly the youth, in legislative process, Shri Birla said when a draft bill is brought, the youth must analyse it and share their suggestions. The youth as future nation builders must understand the process and procedure of legislation, said Shri Birla. It is the responsibility of the youth to take the world in the right direction and help the common citizens in fields of human rights, social service, politics and disaster management. Governments can only make policies, schemes, but the important responsibility of implementing these decisions while accelerating the nation’s development lies with the youth, added Shri Birla

Referring to achievements and contributions of youth to nation building, Shri Birla said that Indian youth through startups and unicorns are making the nation prosperous in the fields of economy, technology and other areas. Speaking about India's fast growing startup economy, Shri Birla said that today more than 73,000 startups and more than 100 unicorns in the country are marching towards making India the Start-Up capital of the world. He urged the youth to exchange best practices and innovations among themselves in larger national interest.

Hailing the vibrant democracy of India, Shri Birla said that India is democratic in its duties, thoughts and life. Democracy is a way of life in India, said Shri Birla. He further added that the next 25 years is going to be very crucial for the country. In order to make India a developed country by the time India will celebrates its 100th Independence Day, today’s youth must play a major role in India's development and progress. He underlined that we must create a sense of national service and dedication to the nation. Towards the end, Shri Birla gave a message to the youth saying that their every step should be in the direction of nation building. Progress

in any field, must be accompanied by contribution towards society and nation, added Shri Birla.

Mentioning about contributions of the Jain community, Shri Birla said that the community has always contributed significantly to the nation's economic progress by spreading the message of peace and progress in the world making the a place of spirituality, knowledge and humility.

नई दिल्ली; 16 सितंबर 2022: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज जोधपुर में राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, 2022 को संबोधित किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि दुनिया में हो रहे नए-नए आविष्कारों से जहां हम समृद्धि के पथ पर अग्रसर हैं, वहीं अपने अंतर्मन में हमें त्याग के मार्ग पर चलना चाहिए। सभी के मन में यह भावना होनी चाहिए कि कुछ भी हमारा नहीं, सब कुछ समाज का है।

संसद के सक्रियता से हो रहे कामकाज का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि कानून जन कल्याण के लिए होते हैं और प्रभावी कानून तभी बनते हैं जब जनप्रतिनिधियों के बीच गुणवत्तापूर्ण चर्चा और संवाद हो । उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और प्रतिभा से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करें । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को सरकार के निर्णयों और नीतियों में भागीदार बनना चाहिए। विधायी प्रक्रिया में जनसाधारण, विशेषकर युवाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए, श्री बिरला ने कहा कि जब कोई प्रारूप विधेयक लाया जाता है, तो युवाओं को इसका विश्लेषण करना चाहिए और अपने सुझाव देने चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भावी राष्ट्र निर्माता के रूप में युवाओं को कानून बनाने की पद्धति और प्रक्रिया को समझना चाहिए। दुनिया को सही दिशा में ले जाना; मानवाधिकार, समाज सेवा, राजनीति और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आम नागरिकों की सहायता करना युवाओं की जिम्मेदारी है। श्री बिरला ने कहा कि सरकारें केवल नीतियां और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन देश के विकास को गति देते हुए इन निर्णयों को लागू करने की जिम्मेदारी युवाओं की है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की उपलब्धियों और योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्टार्टअप और यूनिकॉर्न के माध्यम से भारतीय युवा अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में देश को समृद्ध बना रहे हैं। भारत में तेजी से बढ़ती हुई स्टार्टअप अर्थव्यवस्था के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि आज देश में 73,000 से अधिक स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकॉर्न होने के कारण भारत विश्व की Se3र्ट-अप राजधानी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है । उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे व्यापक राष्ट्रीय हित में सर्वोत्तम तौर-तरीकों और नवाचारों का परस्पर आदान-प्रदान करें ।

भारत के जीवंत लोकतंत्र की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत में हमारे कार्यों, विचारों और जीवनशैली में लोकतंत्र की झलक मिलती है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र ही हमारी जीवन शैली है। उन्होंने आगे कहा कि अगले 25 साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। जब तक भारत अपना 100वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा, तब तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए, युवाओं को भारत की उन्नति और प्रगति में प्रमुख भूमिका निभानी होगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सब लोगों में राष्ट्र सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए। अंत में श्री बिरला ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें अपना हर कदम राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में प्रगति करने के साथ ही हमें समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान भी देना चाहिए।

जैन समुदाय के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस समुदाय के लोग देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं और विश्व को शांति और प्रगति का संदेश देकर आध्यात्म, ज्ञान और विनम्रता की भावना का संचार कर रहे हैं ।